International Journal of Enhanced Research in Educational Development (IJERED)
ISSN: 2320-8708, Vol. 12 Issue 4, July.-August, 2024, Impact Factor: 8.376

मिर्जापुर की शहरी झुग्गी और ग्रामीण समुदाय की माताओं के बीच उनके शिशुओं को दूध छुडवाने की प्रथाओंके ज्ञानपर अध्ययन

अनामिका दीक्षित[1], डॉ. माधवी पांडे[2]

[1]रिसर्च स्कॉलर, गृह विज्ञान विभाग, मानसरोवर यूनिवर्सिटी, भोपाल
[2]सहायक प्रोफ़ेसर, गृह विज्ञान विभाग, मानसरोवर यूनिवर्सिटी, भोपाल

सार

यह माना जाता है कि स्तनपान और वीनिंग प्रथा के बारे में माँ की जागरूकता से शिशु की पोषण स्थिति और स्वास्थ्य प्रभावित होता है, जिसे पोषण शिक्षा, स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता के माध्यम से काफी हद तक सुधारा जा सकता है। वर्तमान विषय मे इन कारकों को ध्यान में रखतेहुए अध्ययन किया गया।वर्तमान अध्ययन मिर्ज़ापुर जिले के शहरी, ग्रामीण और बस्ती क्षेत्र की महिलाओं के बीच स्तनपान के ज्ञान, दृष्टिकोण और प्रथाओं की तुलना करने के लिए किया गया था। शहर, ग्रामीण और बस्ती से महिलाओं 600 गया। किया चयन काशुरुआती महीनो में माता के दूध की जगह पूरक खाद्य पदार्थों के उपयोग के संबंध में 54. में भोजन को पढ़ार्थों ठोस बाद के आयु की माह 6था। ज्ञान अच्छा को उररतदाताओं प्रतिशत 83 45 में समबन्ध के करने सम्मिलित. प्रतिशत 16उत्तरदाताओं को कम ज्ञान था.दूध छुड्वाने के लिए दिये जाने वाले भोजन के पौष्टिक होने के संबंध में, 60.जानकारी कम को उत्तरदाताओं प्रतिशत 5थी।दूध छुड्वाने के बाज़ार में मिलने वाले उत्पादों की संरचना के बारे में कुल मिला कर, कम को उत्तरदाताओं प्रतिशत 82 थी। जानकारी

परिचय

शैशवावस्था के दौरान मृत्यु दर की उच्च दर मानव जीवन का एक दुखद नुकसान है इससे भी बड़ी त्रासदी कुपोषण और बीमारी से पीड़ित बच्चों के जीवित रहने के कारण उनकी पूर्ण सामाजिक और आर्थिक क्षमता विकसित नहीं हो पाती है, जो उन्हें समुदाय के उपयोगी सदस्यों के रूप में विकसित करने में सक्षम बनाती है और यह तथ्य भावी पीढ़ी के बीच सामाजिक और आर्थिक पिछड़ेपन के चक्र को समाप्त कर देता है। । इस प्रकार वर्तमान विषय पर अनुसंधान करने का मुख्य उद्देश्य मिर्जापुर के शहरी, झुग्गी और ग्रामीण समुदाय की माताओं के बीच शिशुओं को स्तनपान कराने के बारे में ज्ञान, दृष्टिकोण और अभ्यास की जांच करना होगा। यह माना जाता है कि स्तनपान और वीनिंग प्रथा के बारे में माँ की जागरूकता से शिशु की पोषण स्थिति और स्वास्थ्य प्रभावित होता है, जिसे पोषण शिक्षा, स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता और "माँ" के सहयोग

के माध्यम से काफी हद तक सुधार किया जा सकता है। वर्तमान विषय मे इन कारकों को ध्यान में रखतेहुए अध्ययन किया जाएगा।

शोध के उद्देश्य:मिर्जापुर की शहरी झुग्गी और ग्रामीण समुदाय की माताओं के बीच उनके शिशुओं को दूध छुडवाने की प्रथाओंके ज्ञानपर अध्ययनकरना।

शोध पद्धति

वर्तमान अध्ययन मिर्ज़ापुर जिले के शहरी, ग्रामीण और बस्ती क्षेत्र की महिलाओं के बीच स्तनपान के ज्ञान, दृष्टिकोण और प्रथाओं की तुलना करने के लिए आयोजित किया गया था।शहर, ग्रामीण और बस्ती का चयन आयु और समानता के आधार पर किया जाता है।इस प्रकार वर्तमान अध्ययन के लिए का महिलाओं 600 गया। किया चयन

पहले चरण में मिर्ज़ापुर जिले को ग्रामीण, शहरी और बस्ती क्षेत्रों में बांटकर उद्देश्य पूर्वकतीनों क्षेत्रों का चयन किया गया।

वर्तमान अध्ययन के लिए जानकारी एकत्र करने के लिए उपयोग की जाने वाली तकनीक सह अवलोकन" था। गया किया तैयार से परामर्श के पर्यवेक्षक जिसे थी "अनुसूची निर्देशित

परिणाम एवं परिचर्चा

सारणी 1 के ज्ञान संबन्धित के उपयोग के पदार्थों खाद्य पूरक जगह की दूध के माता में महीनो शुरुआती : बंटन का प्रतिदर्शों अनुसार

ज्ञान	शहरी		ग्रामीण		बस्ती		कुल	
	सं.	%	सं.	%	सं.	%	सं.	%
कम(0-3)	07	3.5	26	13	16	08	49	8.16
औसत (3-6)	93	46.2	63	31.5	66	33	222	37
अच्छा (6-9)	100	50	111	55.5	118	59	329	54.83
कुल	200	100	200	100	200	100	600	100

इस सारणी से ज्ञात होता है कि शहरी क्षेत्रों मे शुरुआती महीनो में माता के दूध की जगह पूरक खाद्य पदार्थों के उपयोग के संबंध में सर्वाधिक क्षेत्रों ग्रामीण था। ज्ञान अच्छा को उत्तरदाताओं प्रतिशत 50में 55. प्रतिशत 5 उत्तरदाताओं को अच्छा ज्ञान था। बस्ती क्षेत्रों में में सर्वाधिक प्रतिश 59त उत्तरदाताओं को अच्छा ज्ञान था। कुल मिला कर, शुरुआती महीनो में माता के दूध की जगह पूरक खाद्य पदार्थों के उपयोग के संबंध में 54. 83 था। ज्ञान अच्छा को उररतदाताओं प्रतिशत

सारणी 2 :6 माह की आयु के बाद ठोस पढ़ार्थों को भोजन में सम्मिलित करने के समबन्ध में ज्ञान के अनुसार प्रतिदर्शों का बंटन

ज्ञान	शहरी		ग्रामीण		बस्ती		कुल	
	सं.	%	सं.	%	सं.	%	सं.	%
कम(0-3)	72	36	97	48.5	102	51	271	45.16
औसत (3-6)	91	45.5	53	36.5	40	20	184	30.66
अच्छा (6-9)	37	18.5	50	25	58	29	145	24.16
कुल	200	100	200	100	200	100	600	100

इस सारणी से ज्ञात होता है कि के करने सम्मिलित में भोजन को पढ़ार्थों ठोस बाद के आयु की माह 6 में समबन्धशहरी क्षेत्र में सर्वाधिक 45. था।ग्रामीण ज्ञान औसत को उत्तरदाताओं प्रतिशत 5क्षेत्रों में,सर्वाधिक 48. बस्ती था। ज्ञान कम को उत्तरदाताओं प्रतिशत 5क्षेत्र में, सर्वाधिक ज्ञान कम को उत्तरदाताओं प्रतिशत 51 था।

कुल मिला कर,45 में समबन्ध के करने सम्मिलित में भोजन को पढ़ार्थों ठोस बाद के आयु की माह 6. 16 प्रतिशतउत्तरदाताओं को कम ज्ञान था; जबकि 30.24 और 66. प्रतिशत 16उत्तरदाताओं को क्रमशः औसत और अच्छा ज्ञान था।

सारणी 3 लिए के छुड्वाने दूध :दिये जाने वाले भोजन के पौष्टिक /स्वच्छ होने के संबंध में जानकारी के अनुसार प्रतिदर्शों का बंटन

जानकारी	शहरी		ग्रामीण		बस्ती		कुल	
	सं.	%	सं.	%	सं.	%	सं.	%
कम(0-3)	61	30.5	167	83.5	135	67.5	363	60.5
औसत (3-6)	42	21	31	15.5	45	22.5	118	19.66
अच्छी (6-9)	97	48.5	02	01	20	10	119	19.83
कुल	200	100	200	100	200	100	600	100

इस सारणी से स्पष्ट है कि दूध छुड्वाने के लिए दिये जाने वाले भोजन के पौष्टिक होने के संबंध में शहरी क्षेत्रों में सर्वाधिक 48.थी जानकारी अच्छी को उत्तरदाताओं प्रतिशत 5. ग्रामीण क्षेत्रों मेंसर्वाधिक 83. प्रतिशत 5 में क्षेत्र बस्ती थी। जानकारी कम को उत्तरदाताओं, सर्वाधिक 67. कम को उत्तरदाताओं प्रतिशत 5जानकारी थी।

कुल मिला कर,दूध छुड्वाने के लिए दिये जाने वाले भोजन के पौष्टिक होने के संबंध में, 60. प्रतिशत 5 जानकारी कम को उत्तरदाताओं

सारणी 4 :दूध छुड्वाने के लिए बाज़ार में मिलने वाले उत्पादों की संरचना की जानकारी के अनुसार प्रतिदर्शों का बंटन

जानकारी	शहरी		ग्रामीण		बस्ती		कुल	
	सं.	%	सं.	%	सं.	%	सं.	%
कम(0-3)	138	69	172	86	182	91	492	82
औसत (3-6)	60	30	26	13	18	09	104	17.33
अच्छी (6-9)	02	01	02	01	00	00	04	0.66
कुल	200	100	200	100	200	100	600	100

उपरोक्त सारणी से पता चलता है कि दूध छुड्वाने के बाज़ार में मिलने वाले उत्पादों की संरचना के बारे मेंसर्वाधिक प्रतिशत 26 सर्वाधिक में क्षेत्रों ग्रामीण थी। जानकारी कम को उत्तरदाताओं प्रतिशत 69 उत्तरदाताओंको कम जानकारी थी. बस्ती क्षेत्रों में सर्वाधिक 91प्रतिशत उत्तरदाताओं को कम जानकारी थी।दूध छुड्वाने के बाज़ार में मिलने वाले उत्पादों की संरचना के बारे में कुल मिला कर, प्रतिशत 82 17 बाद इसके थी। जानकारी कम को उत्तरदाताओं.0 और 33. को उत्तरदाताओं प्रतिशत 66क्रमशः औसत और अच्छी जानकारी थी।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

[1]. यूनिसेफ)1995-2000), करेंट स्टेटिस्टिक्सऑफ़ एक्सक्लूसिव ब्रेस्टफीडिंग इन यूके ब्रेस्टफीडिंग इन यूके, बेबी वफ्रैंडली इनिशिएटिव यूके|

[2]. गुनसेकरण एस)2000) हेल्थ एंड पापुलेशन; पर्सपेक्टिव्स एंड इश्यूज| जेन मार -; 23(1): 17-27 इन्फेंट फीडिंग प्रैक्टिस इन तमिल नाडु|

[3]. मुर्रे)2000) हु इज़ होल्डिंग दा बेबी?- विमेंस एक्सपीरियंस ऑफ़ थेइर पोस्टनेटल केयर| इर मेड जे . 2000 जुल ऑग -93(5): 148-50.

[4]. ह्यूटनएम. डी.“जर्नल ऑफ द अमेरिका डिएटिक अस्सोसिएशन , फेक्टरज़ डेट एफ़ेक्ट द ब्रेस्टफीडिंग डीसीजन अमंग नेटिव एमेरिकन मथरज , 99, इशू 9, सुपलीमेंट 1 सितमबर 2000, पेज a62